Brijesh

प्रश्नः हमारे देश में बचत की मात्रा बढ़ाने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे? समकालीन आर्थिक परिदृश्य के लिए इस प्रकार की बचत का महत्व संक्षेप में समझाइए। (150 शब्द)

उत्तर: आर्थिक विकास वस्तुतः उत्पादकता में वृद्धि की संकल्पना है। आर्थिक विकास के लिए पूँजी का होना अनिवार्य है। पूँजी निर्माण की दर में बचत का महत्वपूर्ण स्थान है। बचत में भी घरेलू बचत ही मुख्य भूमिका निभाती है। साथ ही, सार्वजनिक व्यय में कमी करके तथा सरकार के राजस्व में वृद्धि करके बचत की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है।

बचत की मात्रा बढ़ाये जाने के अन्य उपायों में, सार्वजनिक उपक्रमों में प्रतिस्पर्द्धा उत्पन्न कर उनकी कार्यकुशलता को बढ़ाया जा सकता है तथा उनसे मिलने वाला लाभ बचत की मात्रा को बढ़ाता है। साथ ही, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष करों की चोरी को रोक कर और विलासिता की वस्तुओं पर उच्च दर पर कर लगाकर बचत की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है।

समकालीन आर्थिक परिदृश्य में इस प्रकार की बचत का बहुत महत्व है। इस बचत से पूँजी का निर्माण कर उससे आधारभूत अवसंरचना के निर्माण, ग्रामीण विकास, गरीबी उपशमन, बेरोजगारी नियंत्रण, औद्योगिक पुनर्निर्माण, कृषि में सुधार, जनसंख्या नियंत्रण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, आयात-निर्यात संवर्द्धन जैसे विकासशील प्रक्रियाओं में निवेश किया जा सकता है। ऐसे निवेश से राष्ट्र के आर्थिक परिदृश्य में अपेक्षित सुधार होगा और आर्थिक विकास एवं संवृद्धि की संभावना में वृद्धि हो सकेगी। जिससे अंततः राष्ट्र की समृद्धि संभव हो सकेगी।